अ0शा0पत्रसंख्या:डीजी–सात–एस–2(5)/2013

अरूण कुमार
आई.पी.एस.

अपर पुलिस महानिदेशक
अपराध एवं कानून–व्यवस्था
उत्तर प्रदेश
1–तिलक मार्ग, लखनऊ

दिनांकः लखनऊः अगस्त 18, 2013

प्रिय महोदय,

कृपया इस मुख्यालय के समसंख्यक पत्र दिनांक-30.05.2013 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जो अपराध एवं कानून व्यवस्था उपयोगी एवं तर्कसंगत तथा प्रभावी बनाने हेतु पुलिस महानिरीक्षक जोन्स, पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक जनपद से समीक्षा कर समीक्षात्मक टिप्पणी से इस मुख्यालय को उपलब्ध कराये जाने विषयक हैं।

2. उक्त सन्दर्भ में जनपदो, परिक्षेत्रों से प्राप्त आख्याओं का परिशीलन मुख्यालय स्तर पर किया गया। परिक्षणोपरान्त पाया गया कि उपलब्ध करायी गयी समीक्षा आख्या से यह स्पष्ट नही है कि किस अधिकारी द्वारा अपराध नियंत्रण में कौन सी भूमिका निभायी गयी है, जिससे अपराध तथा कानून व्यवस्था में सुधार हुआ हो। मात्र जनपद में पंजीकृत अपराधों से सम्बन्धित, अभियुक्तों के विरूद्ध की गयी कार्यवाही का विवरण/समीक्षात्मक टिप्पणी उपलब्ध करायी गयी है। इसी प्रकार परिक्षेत्रीय पुलिस उपहमहानिरीक्षक स्तर से किसी भी अधिकारी के द्वारा अपराध के रोकथाम, अपराधों के अनावरण, गिरफ्तारी, बरामदगी के सम्बन्ध में अधिकारी के योगदान एवं अन्य कार्यवाही के सम्बन्ध में कोई स्पष्ट टिप्पणी नही की गयी है।

3. मैं इस पत्र के माध्यम से पुनः अवगत कराना चाहूँगा कि प्रत्येक अधिकारी की मासिक समीक्षात्मक टिप्पणी इस आशय से भेजी जाना चाहिए, जिससे एक ओर उस अधिकारी को अपने द्वारा किये गये कार्य के बारे में जानकारी हो सके, वही मुख्यालय स्तर पर प्रत्येक राजपत्रित अधिकारी के कार्य की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त रहे। अभी तक प्राप्त हो रही आख्या मात्र आकड़ों तक ही सीमित रह गयी है। यह कदापि उचित नहीं है।

4. मैं आपसे अपेक्षा करता हूँ कि आगामी माह से प्रत्येक अधिकारी पर जो टिप्पणी उपलब्ध करायी जाए, वह आधे पृष्ठ से अधिक न हो। अधिकारी द्वारा विवेचना के अनावरण,विवेचना की गुणवत्ता, प्रारम्भिक जॉच, विभागीय कार्यवाहियों का निस्तारण, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी, खोये बच्चों की बरामदगी, कानून-व्यवस्था के प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण कार्य में उनकी कार्यक्षमता, दक्षता, लगन व रूचि पर स्पष्ट टिप्पणी होनी चाहिए। मैं यहॉ पर यह

भी अपेक्षा करना चाहूँगा कि मत स्पष्ट हो, न कि सामान्य रूप से की जाने वाली टिप्पणी कि कार्य अच्छा है, कार्य में सुधार की आवश्यकता है, जैसे नहीं। मासिक समीक्षा टिप्पणी की एक प्रति सम्बन्धित अधिकारी को भी अवश्य उपलब्ध करा दी जाए।

5. यही अपेक्षा जोनल पुलिस महानिरीक्षक और परिक्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक से भी की जाती है।

भवदीय,

19/8/13

(अरूण कुमार)

समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक(नाम से)
उत्तर प्रदेश।

D/C

समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक(नाम से)
उत्तर प्रदेश।

समस्त जनपदीय पुलिस प्रभारी,(नाम से)
उत्तर प्रदेश।

19/8/13